जो सब्सडी मिलती है या जो सिक टी इण्डस्ट्री है या जो टी प्वांइन्ट है, उनको जो सब्सडी देते है, उसमें और और्गनिक टी प्लांट गोअर्स को कितनी सब्सडी का अंतर रखा है और उसको लागू किया है या नहीं किया है, यह बताने की कृपा करें ?

श्री सभापति : अभी लागू नही किया है।

श्री कमल नाथ : सर केवल और्गनिक टी की बात नही है, आज हर चीज और्गेनिक आ रही है और इस पर ध्यान जा रहा है तथा इसका ज्यादा उपयोग किया जा रहा है । इसलिए औगेनिक टी के लिए और और्गेनिक फ़ार्मिग के लिए भी योजना बनाई जा रही है और और्गेनिक टी को हम प्रोमोट करें, यह हमारा प्रयास और इसके बारे में तो भविष्य ही बताएगा, क्योकि केवल भारत के और्गेनिक टी बना लेने से ही समस्या हल नही होगी, बल्कि दूसरे देश भी बनाएंगे, इस पर प्रयास किया जा रहा है।

श्री एस. एस. अहलूवलिया : दुसरे देश बना रहे है ।

सस्ते चीनी टायरों का घरेलू टायर उद्योग पर प्रभाव

*323. **श्री मती माया सिंह** : क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बतने की कृपा करेंगे कि **:**

(क)क्या यह सच है कि भारत में नेपाल और अन्य देशो के रास्ते से बडी संख्या मे चीनी टायर आ रहे है तथा उन्हे सस्ते दामों पर बेचा जा रहा है जिसके फ़लस्वरुप घरेलू टायर उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड रहा है और यह गहरे संकट से गुजर रहा है; और

(ख)यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है और घरेलू उद्योग को संकट से उभारने तथा चीनी टायरों का देश मैं अनधिकृत आयात रोकने के लिए अब तक की जाने वाली कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) जी ? नही । भारत में बेचे जाने वाले 1 प्रातिशत से भी कम आटोमोटिव टायर चीन के होते है ।

(ख)प्रश्न नही उठता ।

Effect of cheap chinese tyres on domestic tyre industry

† *323 SHRIMATI MAYA SINGH: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large number of Chinese tyres are coming

† Original notice of the question was received in Hindi.

to India *via* Nepal and other countries and sold at cheap rates, as a result of which domestic tyre industry is affected adversely and going through a deep crisis; and

(b) if so, the reaction of Government thereto and the details of action taken so far/to be taken to save the domestic industry from this crisis and to stop the unauthorized import of Chinese tyres in the country?

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir. Less than 1 Percent of the automotive tyres sold in India are from China.

(b) Does not arise.

श्रीमती माया सिंह : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि नेपाल के साथ जो समझौता हुआ है, उसमें वैल्यू ऐडीशन नॉर्म्स क्या है ? नेपाल से जो टायर्स आ रहे हैं, उसके आंकडे क्या है और उसमें वैल्यू ऐडीश्न का सिद्धांत लागू होता है या नहीं ?

श्री कमल नाथ : सर, नेपाल में कोई टायर मैन्युफ़ैक्चरिंग नहीं है । नेपाल से कोई टायर हमारे यहां नही आ रहे हैं, इसलिए ऐसा कोई प्रश्न नहीं उठता ।

श्रीमती माया सिंह : सभापति महोदय, क्या यह सही है कि घरेलू उधोगों ने इस बारे में शिकायत की है और क्या इसी प्रकार से ASIA के देशों से भी चीन के बने टायर भारत में आ रहे है ?

श्री कमल नाथ : सर, अपने देश में लगभग 15 करोड टायर के उत्पादन की installed capacity है और जहां तक इंपोर्ट का प्रश्न है, 12 लाख टायर अपने देश में इंपोर्ट किए जा रहे है। लगभग इसका दो प्रतिशत अपने यहां है । इसमें से 3.6 लाख टायर चीन से आ रहे है, it means, it is 6, तो ये आंकडे देखते हुए, जितना चीन से भी आता है, इसका 50 प्रतिशत ट्रक और बसों का है। तो यह बहुत छोटी संख्या है और यह अपनी टायर इंडस्ट्री को प्रभावित नहीं करती । अगर हम देखें कि क्या टायर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मंत्री महोदय, आप बहुत लंबा उत्तर देते है। यह बहुत समस्या है । ...(**व्यवधान**)...

श्री कमल नाथ : सर, ये लोग समझ जाएं, इसलिए मेरा प्रयास अपने माननीय साथी को समझाने का है ।

श्री सभापति : जैसे चाय वाले प्रश्न पर आपने चाय किसी को नहीं पिलाई, लेकिन चाय सबको दिखा दी । ...(**व्यवधान**)...

श्रीमाती माया सिहं : सभापति जी, मैंने माननीय मंत्री जी से जो सवाल पूछा था, उसका उत्तर न देकर मंत्री जी ने दूसरा उत्तर दे दिया।

श्री सभापति : उत्तर दे दिया है, आपके प्रश्न का उन्होंने दो बार उत्तर दे दिया है । Next Question;

राजधानी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों का सक्रिय होना

†*324. **श्री बलवंत उर्फ़ बाल आपटे :**
श्री रुद्रनारायण पाणि :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजधानी में तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों में वर्तमान में कई आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं;

(ख) यदि हां, तो सक्रिय आतंकवादी संगठनों का ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या यह भी सच है कि आतंकवादी संगठनों ने पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपना जाल फ़ैला लिया है; और

(घ) राजधानी तथा उसके आस –पास के क्षेत्रों से इन संगठनों को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी. पाटिल) (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) से (ग) हाल की जानकारियों से पता चलता है कि हिजब-ए-इस्लामी, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिज्ब-उल-मुजाहिद्दीन और बब्बर खालसा इन्टरनेशनल जैसे आतंकवाद संगठन दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्रों मे मौजूद है । बब्बर खालसा इन्टरनेशनल के अलावा इन आतंकवादी संगठनों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों मे अपना नेटवर्क भी फ़ैला रखा है।

(घ) राजधानी से इन आतंकवादी संगठनों का सफ़ाया करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों में शामिल है : (i) ऐसे कुछ क्षेत्रों में गेस्ट हाउसों, होटलों, धार्मिक स्थानों आदि कि जांच करना जहां आतंकवादी तत्वों ने विगत में शरण ली हो; (ii) विशेषकर नए और विकसित क्षेत्रों में किरायेदारों की जांच करना; (iii) शहर में चलने वाले वाहनों और आजादपुर

† सभा में यह प्रश्न बलवंत उर्फ़ बाल आपटे द्वारा पूछा गया ।